कैलामिटी जेन

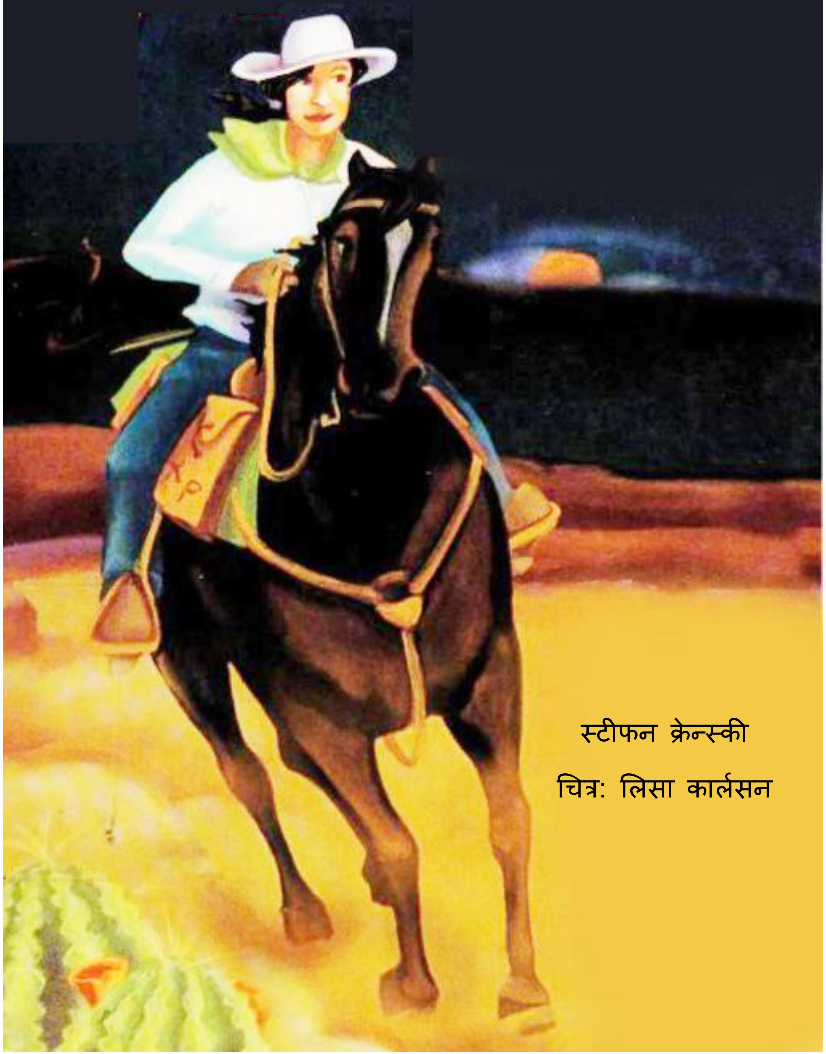

स्टीफन क्रेन्स्की

चित्र: लिसा कार्लसन

कैलामिटी जेन

स्टीफन क्रेन्स्की

चित्र: लिसा कार्लसन

कैलामिटी जेन: एक लोककथा

शायद आपने कैलामिटी जेन के बारे में न सुना हो. वैसे, कैलामिटी जेन जंगली पश्चिम अमरीका की, एक किंवदंती है. वो असल में मार्था जेन कैनरी नाम की एक असली महिला थी. बाद में वह एक आर्मी स्काउट और पोनी एक्सप्रेस की सवार बनी. वह मर्दों की तरह कपड़े पहनती थी क्योंकि उसे ऐसा करना पसंद था. उसे इस बात की परवाह नहीं थी कि दूसरे लोग उसके बारे में क्या सोचते थे. इसलिए यह स्वाभाविक ही था कि उसके इर्द-गिर्द कुछ अतिशयोक्तियां ज़रूर पनपी होंगी.

हम कैलामिटी जेन की कहानियों को "टाल टेल्स" अतिशयोक्ति इसलिए कहते हैं क्योंकि उनमें सब कुछ बहुत बढ़ा-चढ़ाकर, बहुत तेज़ और बहुत जंगली होता था. इन कहानियों में सच्चाई थोड़ी बढ़ा-चढ़ा कर बताई जाती हैं. "टाल टेल्स" में नायक और नायिकाएँ इमारतों जितनी ऊँची, बैलों जितनी मज़बूत या बिजली जितनी तेज़ होती हैं. उन्हें हर मोड़ पर जंगली रोमांच का सामना करना पड़ता है. लेकिन यह ठीक भी है क्योंकि वे अपने रास्ते में आने वाली लगभग हर समस्या का समाधान कर लेते हैं.

"टाल टेल्स" मज़ेदार और लंबी भी हो सकती हैं. लेकिन वे उस जीवन का वर्णन भी करती हैं जिसे कई श्रमिकों और अग्रदूतों ने साझा किया था. इन कहानियों में लोग अक्सर वही काम करते हैं जो असली लोग करते थे. और कहानियों की सेटिंग हमेशा परिचित जगहों पर ही होती थी.

इन कहानियों को पहली बार सुनाने वाले, उन लोगों और जगहों को अवश्य जानते होंगे. या हो सकता है कि वे चाहते हों कि वे भी कहानी के नायक की तरह ही बनें. ऐसी कहानियाँ बार-बार सुनाई जाती थीं और वे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचती थीं. ऐसी मौखिक और साझा की गई कहानियों को हम लोककथायें कहते हैं.

लोककथाएँ किसी स्थान या वहां के लोगों की कहानियाँ और रीति-रिवाज़ दर्शाती हैं. वे "टाल टेल्स" जैसी लोककथाएँ भी हो सकती हैं. ये कहानियाँ आमतौर पर बहुत बाद में लिखी जाती हैं. उससे पहले उन्हें कई सालों तक सुनाया और दोहराया जाता है. लोककथाएँ कहावतें, चुटकुले और गीत भी हो सकती हैं.

लोककथाएँ हमें बहुत कुछ सिखा सकती हैं. कोई कविता या गीत हमें बहुत पहले की कोई घटना याद दिलाने में मदद कर सकता है. या वो सिर्फ़ मनोरंजन के लिए हो सकती हैं, जैसे कोई अच्छी भूत की कहानी या रस्सी कूदने के गीत. लोककथाएँ हमें उन लोगों के बारे में भी बताती हैं जो कहानियाँ साझा करते थे.

कैलेमिटी जेन के बारे में कहानियाँ बहुत अतिशयोक्तियों से भरी हैं. लेकिन उनमें पुराने पश्चिम के जीवन के बारे में उनमें कुछ सच्चाईयां भी हैं. कैलामिटी जेन वास्तव में डेडवुड में बचाव के लिए आई थी. उसने संभवतः एक सेना के कप्तान की जान भी बचाई थी. वास्तव में, शायद इसीलिए उसका नाम कैलामिटी जेन पड़ा, लेकिन यह एक तारीफ के तौर पर था. जब भी कोई आपदा आती, तो आप जेन को अपने साथ ज़रूर चाहते.

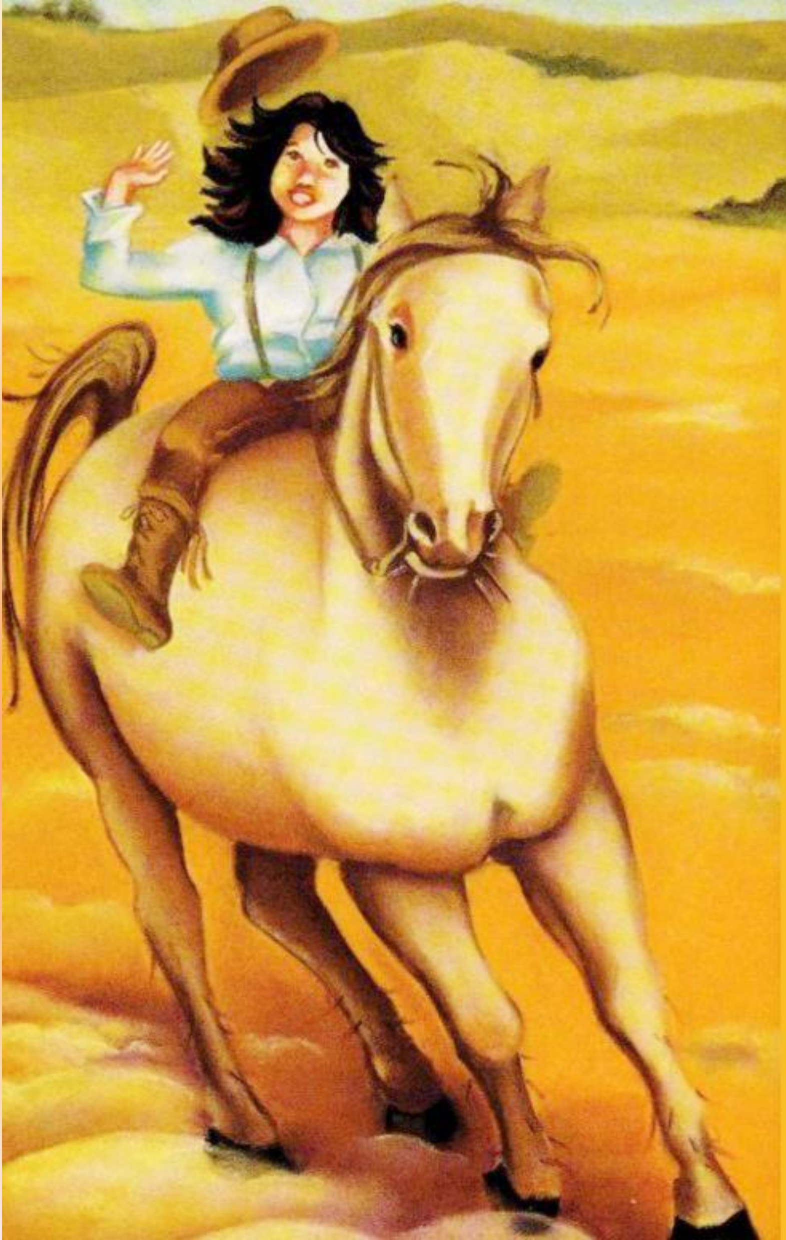

बढ़ते हुए

मार्था जेन कैनरी हमेशा जानती थी
कि वह कुछ खास थी.
अन्य लड़कियाँ अपना समय गुड़िया के साथ खेलने
या गंदे फर्श को साफ करने में बिताती थीं.
मार्था जेन उनसे अलग थी.
उसने घुड़सवारी और शूटिंग करना सीखा.
और उसने ऐसे कपड़े पहने
जो उसके रास्ते में बाधा न बनें.
वह अभी तक आपदाओं के बीच में नहीं थी
लेकिन वह हर रोमांच की ओर आकर्षित होती थी
जैसे चींटियाँ चीनी की ओर आकर्षित होती हैं.

एक बार, जब मार्था जेन, मिसौरी के जंगल में खेल रही थी,
तो उसे एक रैटलस्नेक (धमन सांप) दिखाई दिया
जो एक चट्टान पर धूप सेंक रहा था.
रैटलस्नेक ने उसे डराने की कोशिस की.
सांप ने रटटट.... की फुफकार दी.
और उसने मार्था को डराने की कोशिश की.
लेकिन मार्था बस हंसी और उसने कहा,

"देखो, मैं नौ साल की हूँ,
पर इतनी दब्बू सांप की आवाज़ मैंने
पहले कभी नहीं सुनी."
फिर मार्था ने अपना मुंह खोला
और इतनी तेज़ आवाज़ की
कि वो तीन महाद्वीपों में सुनाई दी.
उससे सांप इतना शर्मिंदा हुआ
कि वो उसी पल वहीं मर गया.

जब मार्था बारह साल की हुई
तब उसका परिवार अन्य अग्रणी परिवारों के साथ
मिसौरी से मोंटाना में आकर बस गया.
वो पश्चिम में बेहतर जीवन
की तलाश में आए थे.

अपनी गाड़ियों में इस कठिन यात्रा को
तय करने में उन्हें पांच महीने का समय लगा.
रास्ते बहुत उबड़-खाबड़ थे.
कुछ गड्ढे इतने गहरे थे कि गाड़ी के
नीचे वाला हिस्सा ज़मीन से रगड़ खाता था.

जब भी गाड़ी किसी नदी पर आती,
तो कारवां का लीडर नदी पार करने के लिए
हमेशा सबसे उथली जगह ढूँढ़ता था.
लेकिन मार्था जेन उससे संतुष्ट नहीं थी.
वह अपनी टट्टू पर सवार होकर पार
करने के लिए सबसे गहरे पानी की तलाश करती थी.
हालांकि, एक बार वह एक दलदल में फंस गई
जिसने उसे नीचे खींचने की कोशिश की.
लेकिन मार्था जेन ने इतनी जोर से लात मारी
कि दलदल गर्म हो गया और कांच में बदल गया.
फिर वह बिना किसी परेशानी के बाहर निकल गई.

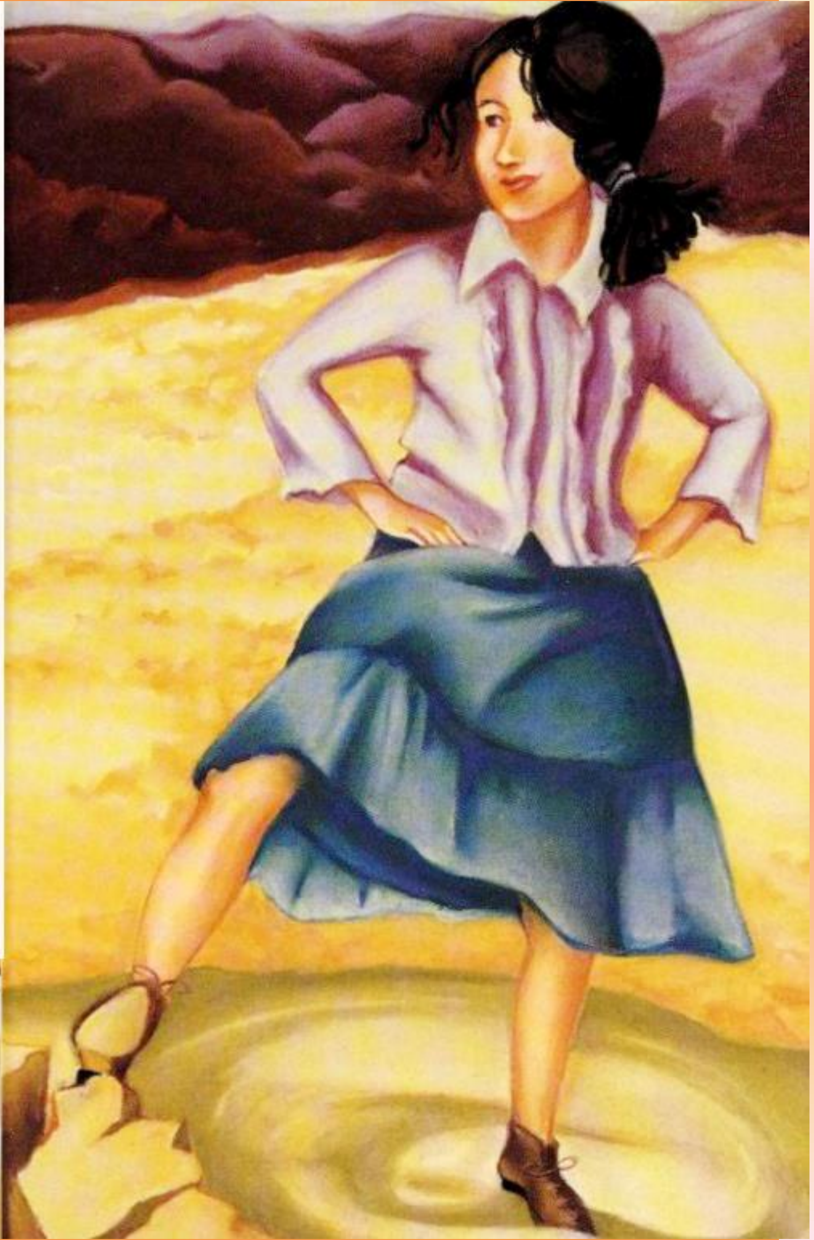

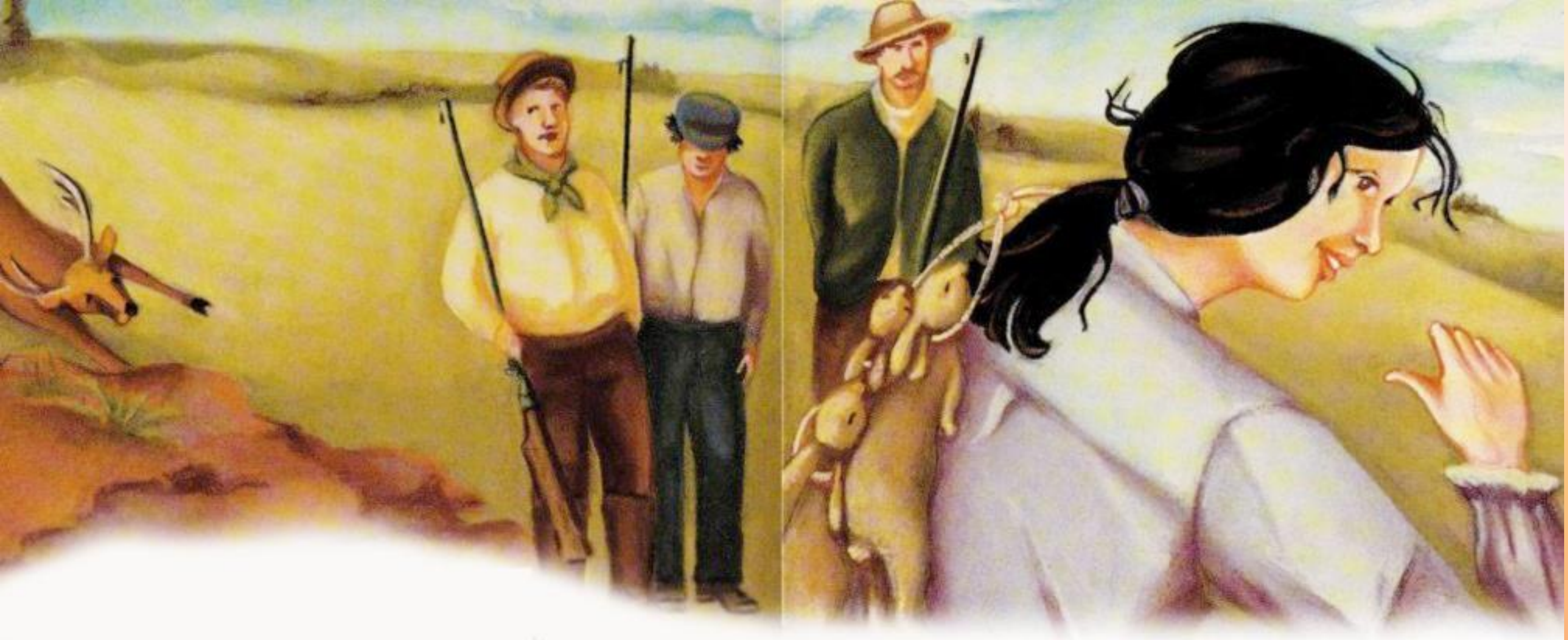

हर दिन, गाड़ी में सवार लोग शिकार करने जाते थे.
मार्था जेन भी उनके साथ जाना चाहती थी,
लेकिन मर्द लोग उसे साथ नहीं ले जाना चाहते थे.
इसलिए वह अकेले ही शिकार करने चली गई.
जब वह लौटी, तो उसके कंधे पर
तीन खरगोश लटके हुए थे.

यह एक छोटी सी बच्ची के लिए बहुत अच्छा है,"
एक आदमी ने कहा.
"देखो, लगभग एक मील पीछे मैंने चार हिरण मारे हैं,"
मार्था जेन ने उसे समझाया.
"लेकिन मैं उन सभी को एक साथ नहीं ले जा सकती थी."

उसके बाद, शिकारी
उसे अपने साथ ले जाकर खुश होते थे.
जब तक वैगन ट्रेन
मोंटाना पहुंची,
तब तक जेन ने इतना शिकार किया
कि अग्रदूतों को उसके द्वारा किए शिकार को
दिन में पाँच बार खाना खाना पड़ा.

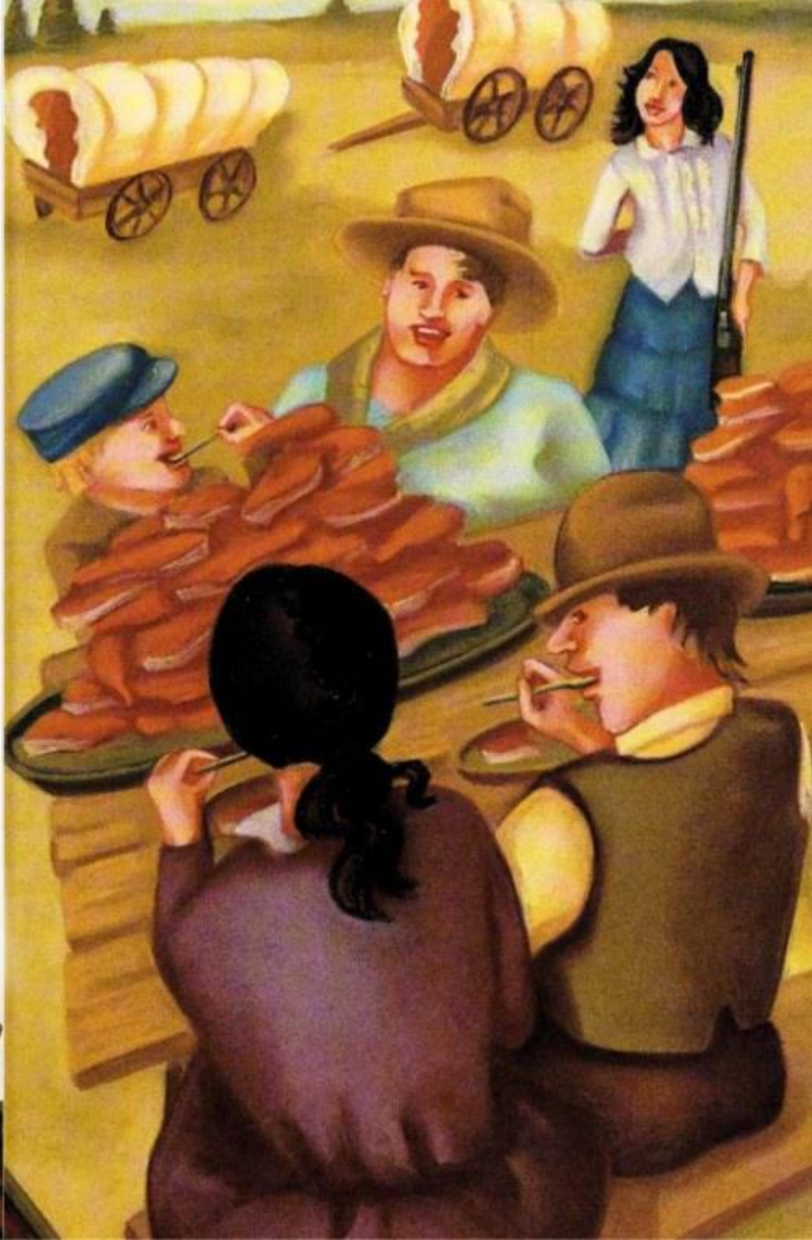

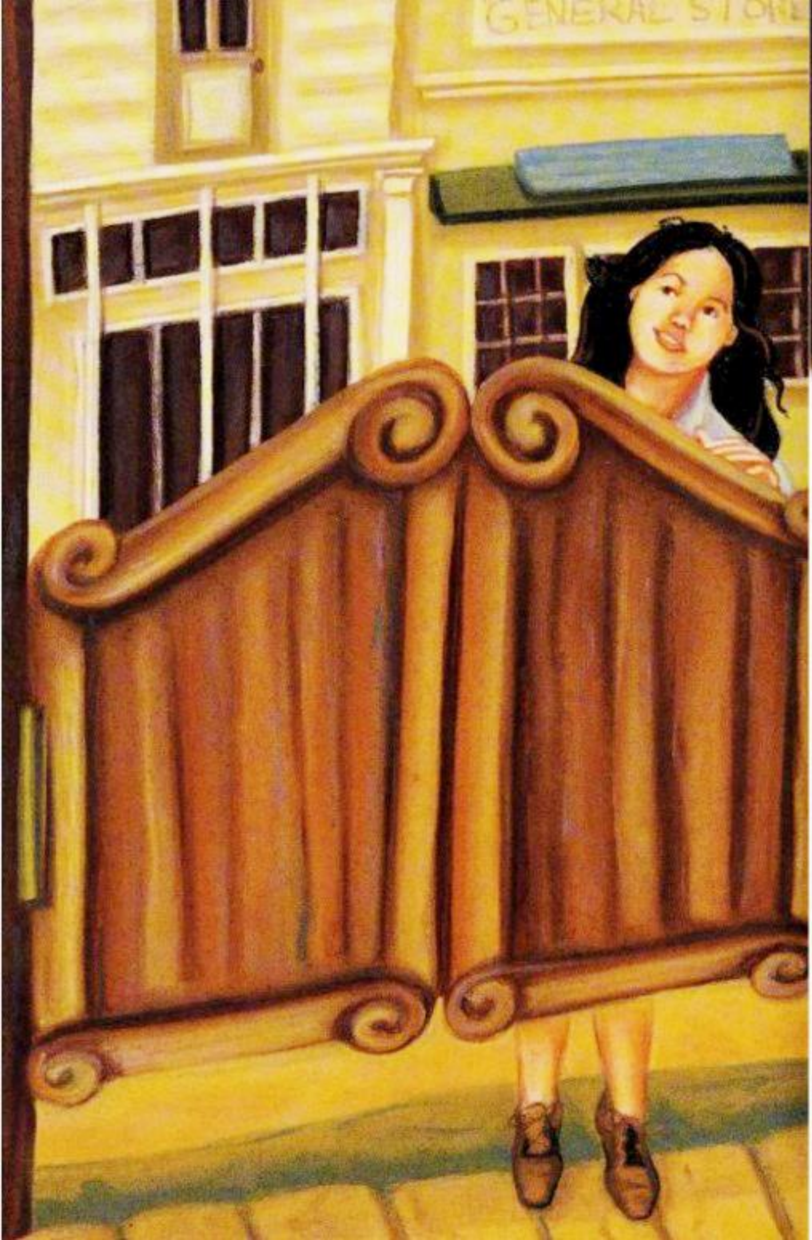

घुमक्कड़ी

वर्जीनिया सिटी, मोंटाना,
एक सोने की खदान वाला शहर था.
वो मार्था जेन के लिए बिल्कुल सही था.
वह हर नुक्कड़ और कोने में अपनी नाक घुसाती थी.
"तुम मुसीबत तलाश रही हो,"
कुछ लोगों ने उसे चेतावनी दी.
"बेशक मैं वही कर रही हूँ," जेन ने जवाब दिया.
"उससे समय की बचत होती है."

खनिक हर दिन आते-जाते थे,

अपना भाग्य बनाने के लिए

वे सोने की नई तहें तलाशते थे.

वे निश्चित रूप से एक मतलबी समूह था.

उनमें से अधिकांश के या तो सिर में छेद हो जाता

या फिर उनकी जेब में छेद हो जाता था.

लेकिन कुछ भाग्यशाली रहे और उन्हें बड़ी सफलता मिली.

जब कोई "सोना!" चिल्लाता था

तो वो खबर बिजली की गति से भी तेज़ी से फैल जाती.

एक खनिक को अपनी मुट्ठी के आकार का एक सोने का डला मिला.

दूसरे को अयस्क की एक ऐसी नस मिली जो इतनी समृद्ध थी

कि उसे खोदने में उसे तीन फावड़े खर्च करने पड़े.

मार्था जेन ने खुद सोने के लिए
बहुत ज़्यादा खोजबीन नहीं की.
उसे वो एक नीरस काम लगता था.
इसके बजाय, उसने हमेशा आगे बढ़ना पसंद किया.
उसे घोड़ों से बहुत लगाव था,
खासकर तेज़ घोड़ों से.
और उसमें उन्हें संभालने का हुनर भी था.
एक बार, कुछ काउबॉय
शहर में कुछ जंगली घोड़े लेकर आए.
उनमें से एक काला घोड़ा था
जिसकी आँखों में आग थी.
जब तक मार्था जेन आई,
तब तक वह घोड़ा
चार काउबॉय को गिरा चुका था.
"तुम उससे सावधान रहना,"
उन्होंने मार्था को चेतावनी दी.
"मैं अपनी किस्मत आजमाऊँगी,"
मार्था ने कहा.
"मैं तीन खच्चरों जितनी जिद्दी हूँ,
और मेरी दुलत्ती उससे भी खराब है."

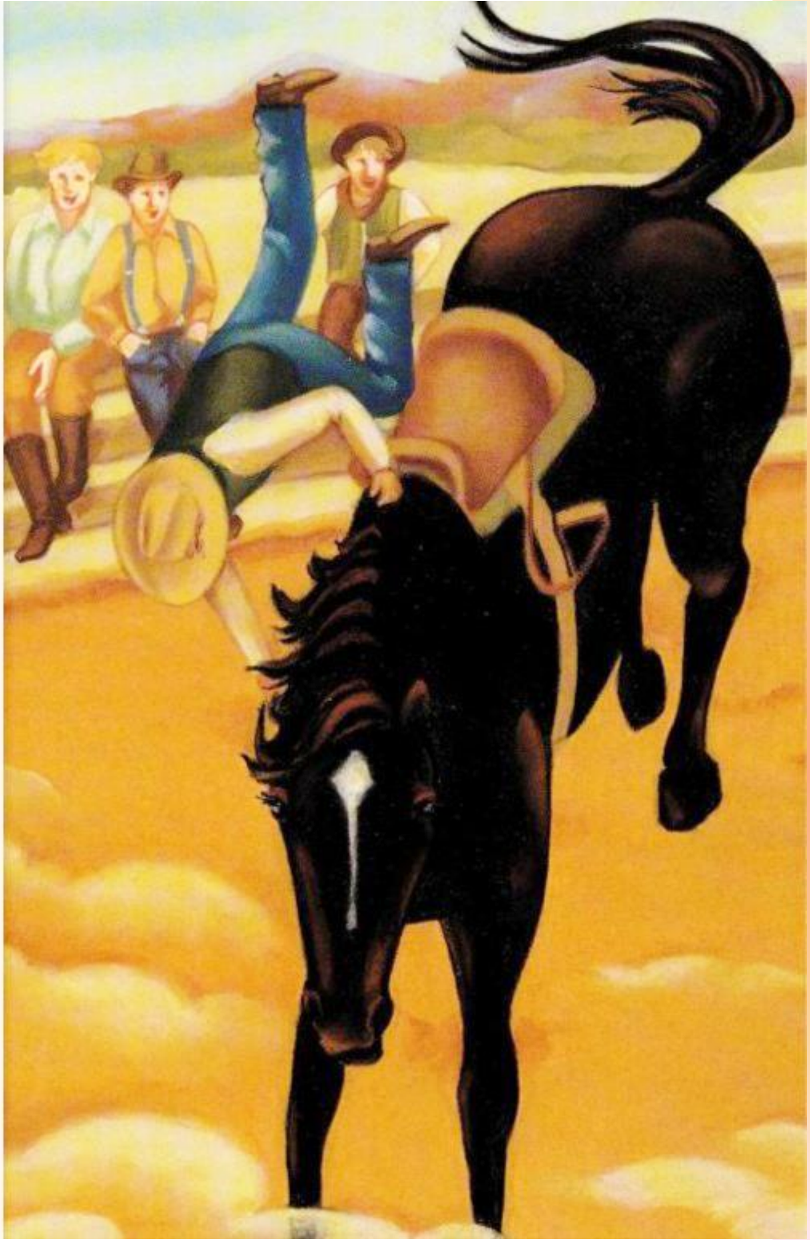

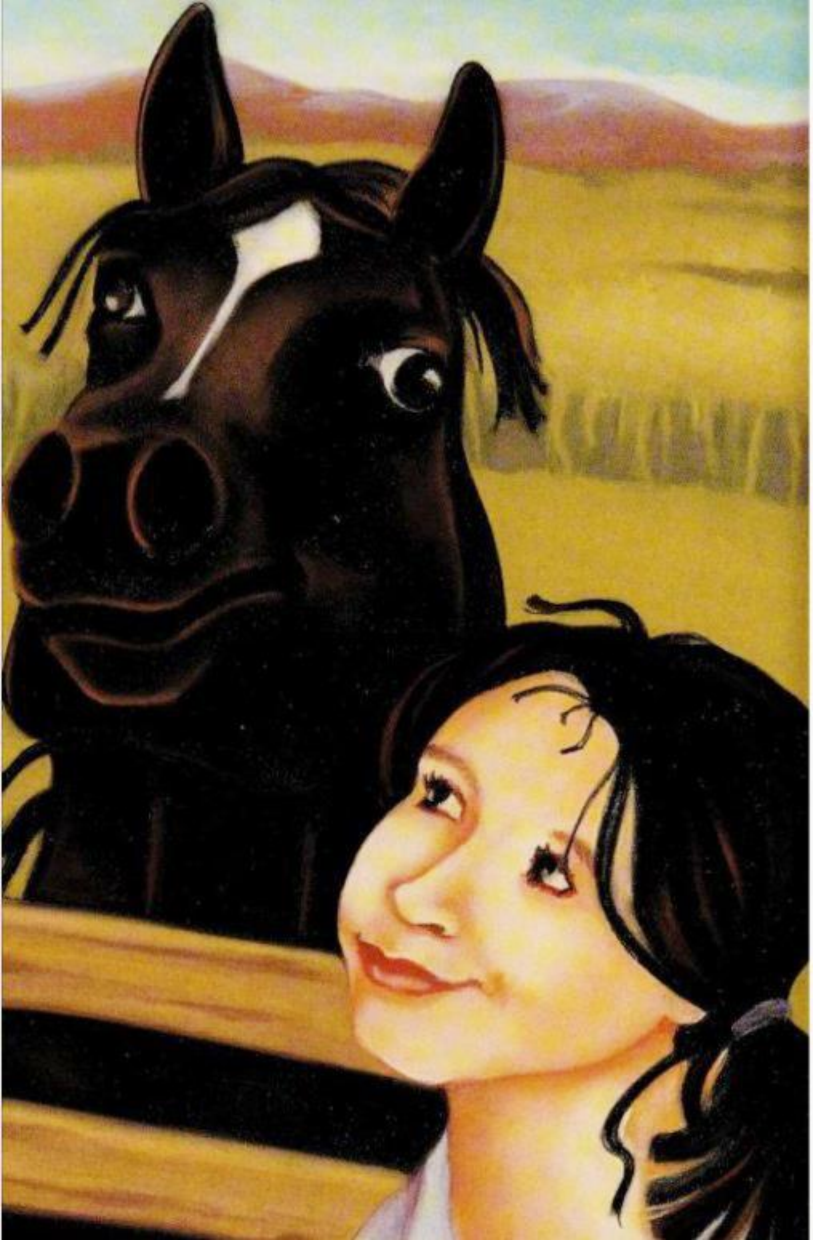

वह धीरे-धीरे घोड़े के पास आई.

"मुझे पता है कि तुम सिर्फ़ दिखावा कर रहे हो,"

उसने धीरे से कहा.

"हर कोई देख सकता है

कि तुम कितने बड़े और मज़बूत हो."

घोड़ा बस हिनहिनाया.

"हालाँकि, मैं तो बस एक छोटी सी लड़की हूँ,"

मार्था जेन ने कहा.

"और मुझे फेंकने से तुम्हें कुछ भी नहीं मिलेगा.

लेकिन अगर तुम मुझे अपनी सवारी करने दोगे,

तो तुम उन कठोर और सख्त काउबॉय को

और भी बुरा महसूस कराओगे."

खैर, कोई भी यह निश्चित रूप से नहीं कह सकता

कि वह घोड़ा वास्तव में मार्था की बात समझा या नहीं.

लेकिन मार्था जेन ही एकमात्र ऐसी थी

जिसने उस घोड़े पर ठीक से सवारी की.

वह घोड़ा उसके बहुत काम आया.

एक दिन, मार्था जेन घुड़सवारी कर रही थी

जब वह अपनी जान बचाने के लिए लड़ रहे

सेना के एक गश्ती दल से मिली.

मार्था जेन ने एक पल भी इंतजार नहीं किया.

वह झपट्टा मारती हुई आई, और उसने

घायल कप्तान को अपने घोड़े पर खींच लिया

और फिर वो उसे एक सुरक्षित स्थान पर ले गई.

जब वह ठीक हो गया,

तो कप्तान ने उसे (आपदा) यानि

कैलामिटी जेन बुलाना शुरू कर दिया.

और तब वो नाम सभी की जुबान पर

शहद की तरह चिपक गया.

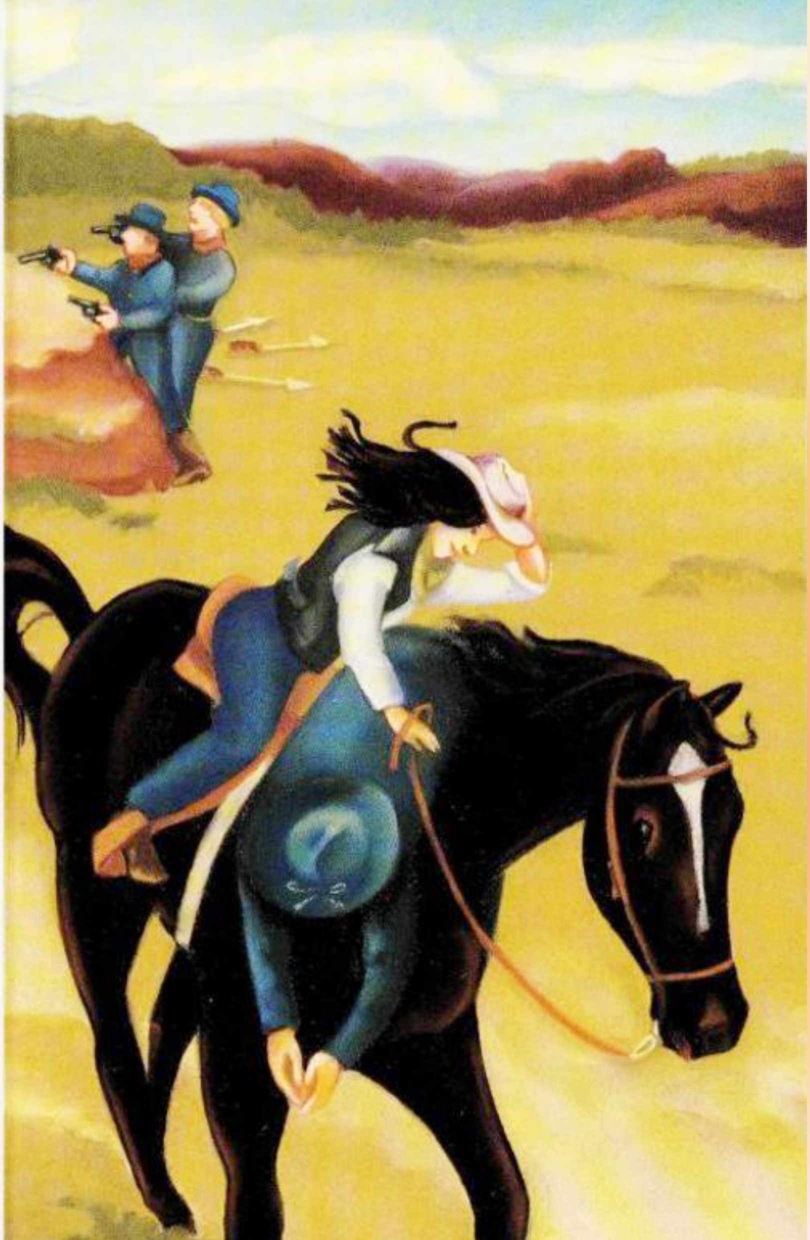

डेडवुड में रहना

जब कैलामिटी जेन बड़ी हो रही थी

तो वह दक्षिण डकोटा के डेडवुड में रहने चली गई.

यह खनन शहर अपने नाम से ज़्यादा दोस्ताना था,

हालाँकि बहुत ज़्यादा नहीं.

वहाँ उसे हर तरह के काउबॉय

और बंदूकधारी मिले,

जिनमें कुछ ईमानदार लोग भी शामिल थे.

सबसे मशहूर वाइल्ड बिल हिकॉक था.

वह नए चमड़े से भी ज़्यादा सख्त था

और वो साल में सिर्फ़ एक या दो बार ही मुस्कुराता था.

वाइल्ड बिल सेना में स्काउट और टाउन मार्शल रह चुका था.

लेकिन अब वह इन नौकरियों से रिटायर हो चुका था.

अपनी जवानी में बिल एक बार

आठ महीने तक बिना कपड़े बदले रहा था.

फिर एक रात जब बिल सो रहा था,

एक भालू ने उसे और उसके कपड़ों को

एक मील दूर से सूंघा. वह गंध का पीछा करते हुए

बिल तक पहुँचा और उसके पैर को काटने लगा.

बिल तुरंत जाग गया.

और इससे पहले कि भालू उसे अपना शिकार बनाता,

बिल ने उससे कुश्ती लड़ना शुरू कर दी.

भालू के पास उसके पंजे थे,

लेकिन बिल के पास भी एक चाकू था.

वे दोनों बार-बार गिरते रहे.

जब लड़ाई ख़त्म हुई,

तो बिल को खुद के लिए फर का एक नया कोट मिला!

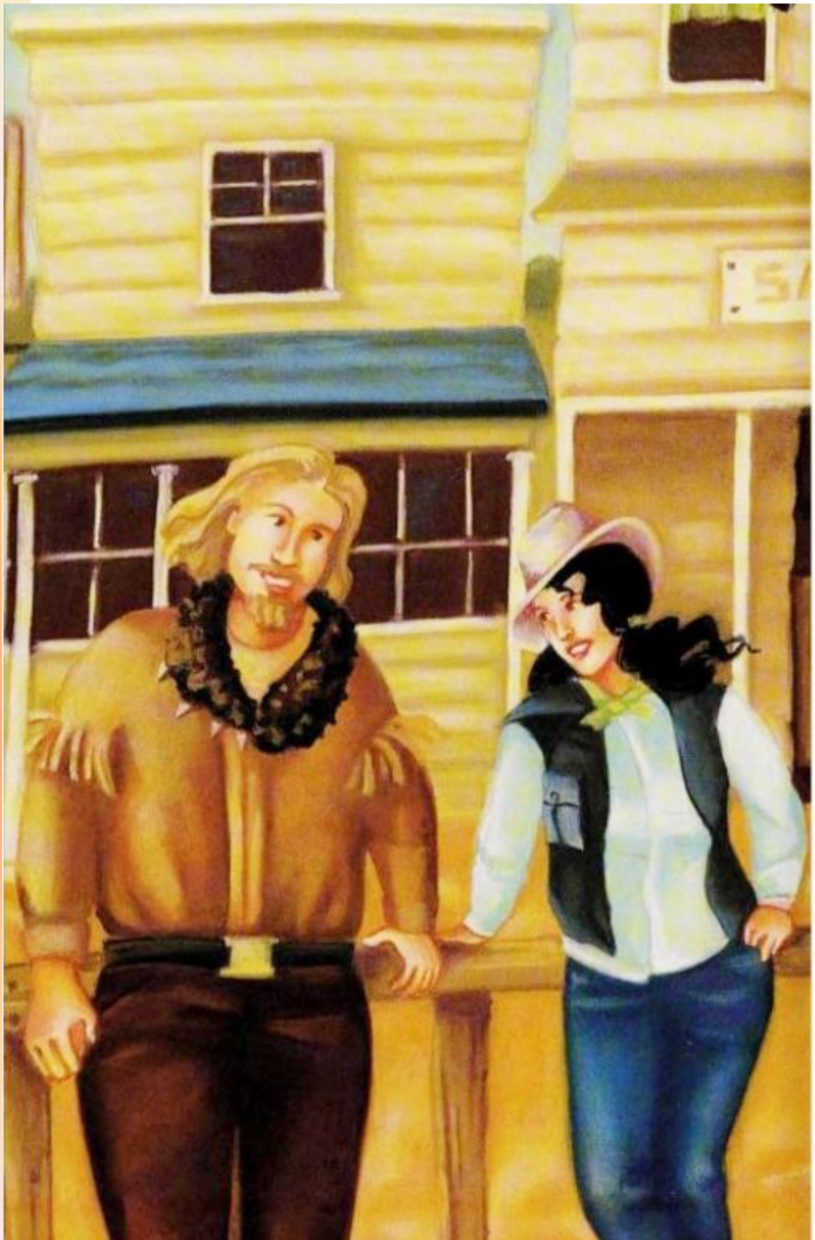

जो कोई भी आदमी
इस तरह के भालू को संभाल सकता था,
वह ज़रूर कैलामिटी जेन की तरह का व्यक्ति होगा.
इसलिए बिल और कैलामिटी दोस्त बन गए
उन्होंने अपने प्रसिद्ध कारनामों की कहानियाँ साझा कीं.
वाइल्ड बिल ने कहा कि असली रोमांच के लिए
मार्था को पोनी एक्सप्रेस का सवार बनना चाहिए.
पोनी एक्सप्रेस सवारों की एक टोली थी
जो सीमा पार डाक लेकर जाती थी.
इसलिए कैलामिटी ने वो काम लिया.
उसे ब्लैक हिल्स से होते हुए
50 मील आगे-पीछे आना जाना होता था.
यह उबड़-खाबड़ इलाका था
और सिर्फ़ चट्टानों और खड्डों की वजह से नहीं.
वहां रास्ते में डाकू अक्सर इंतज़ार करते थे.
वे घुड़सवारों के पैसे या पैकेज लूट लेते थे.

इससे पहले कि वो डाकू गोली
चलाने के बारे में सोच पाता,
कैलामिटी जेन ने उससे पहले ही गोली चला दी थी.
जेन की पहली गोली डाकू की बंदूक पर लगी,
और सीधे उसके बैरल में जा घुसी
जिससे उसका चेम्बर जाम हो गया.
जेन की अगली गोली ने दूसरे डाकू के
घोड़े की लगाम को काट दिया.

उससे घोड़ा उछला और उसका सवार
जमीन पर गिर गया.
"देखो, इस बार हम तुम्हें जाने देंगे,"
तीसरे डाकू ने पीछे हटते हुए कहा.
"क्या तुम्हें सच में इस बात पर यकीन है?"
कैलेमिटी ने कहा.
"लगता है पार्टी तो बस अभी शुरू ही हुई है."

लेकिन डाकूओं ने कोई जवाब नहीं दिया.

और वे अपनी दुम दबाकर वहां से भाग निकले.

कैलामिटी ने अपनी सवारी ज़ारी रखी

और उसके बाद उसे किसी ने परेशान नहीं किया.

बदलता समय

अधिकांश लोगों को लगता था कि कैलामिटी जेन

पुरानी बीफ़ जर्की से ज़्यादा मज़बूत थी.

लोग कहते थे कि जेन बर्फ़ में नंगे पैर चलती थी.

और वो बिना पलक झपकाए

सूरज की ओर देख सकती थी.

लेकिन कैलामिटी का एक नरम पक्ष भी था.

लेकिन उसने उसका ज़्यादा प्रचार नहीं किया.

एक बार, डेडवुड का पूरा शहर

चेचक की चपेट में आ गया.

इतनी खुजली और खरोंचें थीं, ऐसा लगता था

जैसे मानो टिड्डों की एक सेना चल रही हो.

डॉक्टर भी बीमार पड़ गया.

शेरिफ़ की हालत खराब थी.

यहाँ तक कि अंत्येष्टिकर्ता भी

यह उम्मीद कर रहा था

कि कोई मरे नहीं.

क्योंकि वो उन्हें दफनाने के लिए तैयार नहीं था.

लगभग सभी लोग बिस्तरों पर पड़े थे.

लेकिन कैलामिटी जेन नहीं.

किसी को यह पता नहीं कि वो बीमार क्यों नहीं हुई.

कुछ लोगों ने कहा कि उसकी त्वचा इतनी मोटी थी

कि चेचक उसके अंदर घुस नहीं सकती थी.

दूसरों को लगा कि चेचक भी उसके खून

और आंत में घुसने की हिम्मत नहीं कर सकता था.

जो भी कारण हो, कैलामिटी जेन
एकदम स्वस्थ थी
और उसे बीमार लोगों की देखभाल
करने से कोई डर नहीं लगता था.
इसलिए उसने बीमारों की खूब देखभाल की.
चेचक को ठीक होने में कुछ महीने ज़रूर लगे.
कैलामिटी उन महीनों में ज़्यादा सो नहीं पाई.

एक बार वो,
लगातार तीन दिन तक जागी रही.
उसने कहा, "मुझे अपनी आँखें खोलने के लिए
झाड़ू के हैंडल का इस्तेमाल करना पड़ा."
और आँखें एक घंटे से ज़्यादा खुली नहीं रहती थीं,
जब लोग आखिरकार ठीक हुए,
तो वे निश्चित रूप से जेन को धन्यवाद देना चाहते थे.
लेकिन वह केवल इतना ही सहन कर सकती थी.

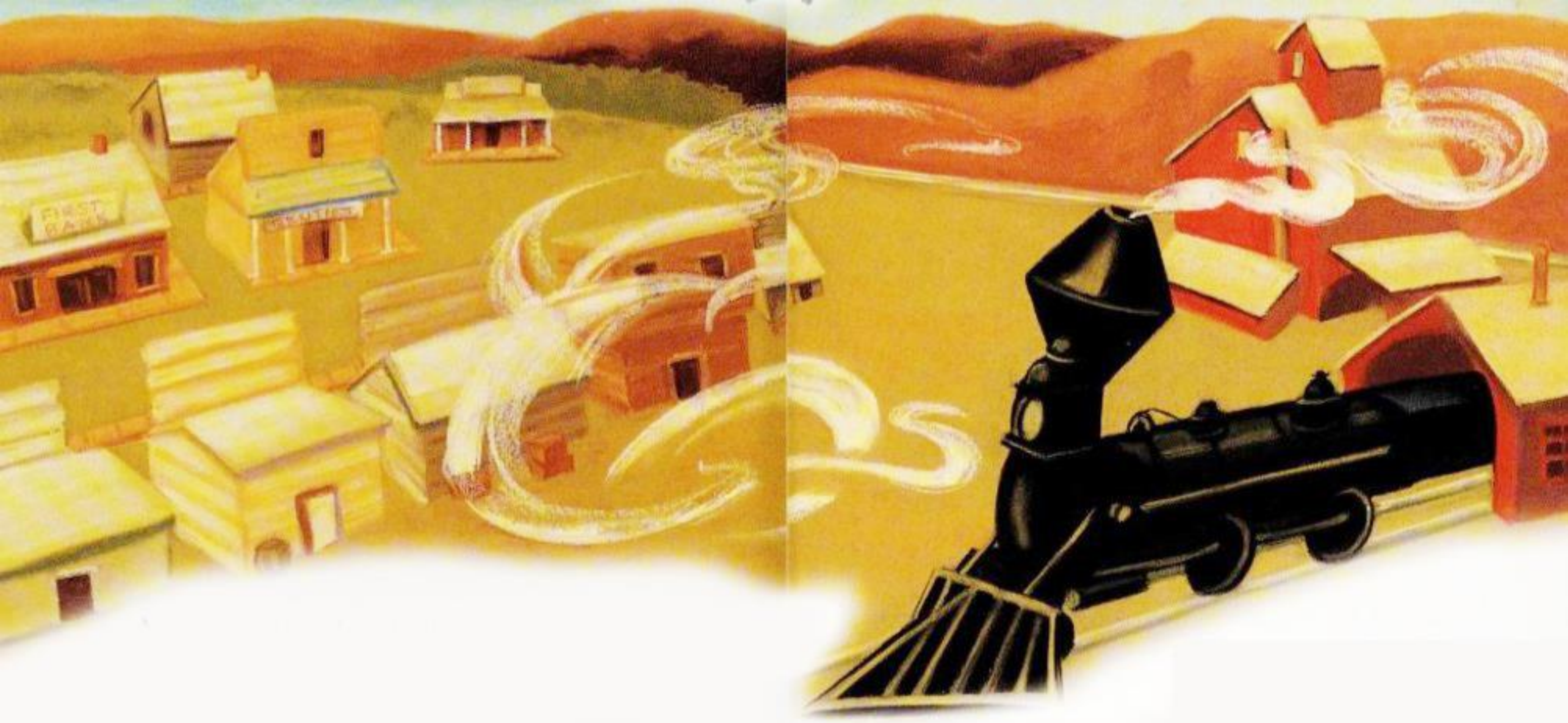

कैलेमिटी जेन जितनी दृढ़ थी,

एक चीज थी जिसे वह रोक नहीं सकती थी.

वह थी प्रगति. डेडवुड अब बड़ा हो रहा था.

दुकानदार लकड़ी की फुटपाथ बना रहे थे

ताकि लोगों को कीचड़ से होकर न गुजरना पड़े.

पोनी एक्सप्रेस बंद हो गई थी.

अब कोई स्टेजकोच भी नहीं बचे थे.

उनकी जगह रेलरोड के राक्षस इंजनों ने ले ली थी.

लोग बाथरूम को घर के अंदर

लगाने की बात सोच थे,

लेकिन कैलेमिटी जानती थी कि यह मूर्खता है.

फिर भी, इस बात से इनकार नहीं

किया जा सकता था

कि शहर बदल गया था.

अब कैलेमिटी इन चीजों को लेकर उदास नहीं थी.

लेकिन वह अभी रॉकिंग चेयर पर

आराम करने के लिए भी तैयार नहीं थी.

इसलिए जब उसने पाया कि वह काफी देर तक

चुपचाप बैठी रही और उसने मकड़ी को

जाला बुनते हुए देखा,

तो उसे लगा कि अब उसके आगे

बढ़ने का समय आ गया था.

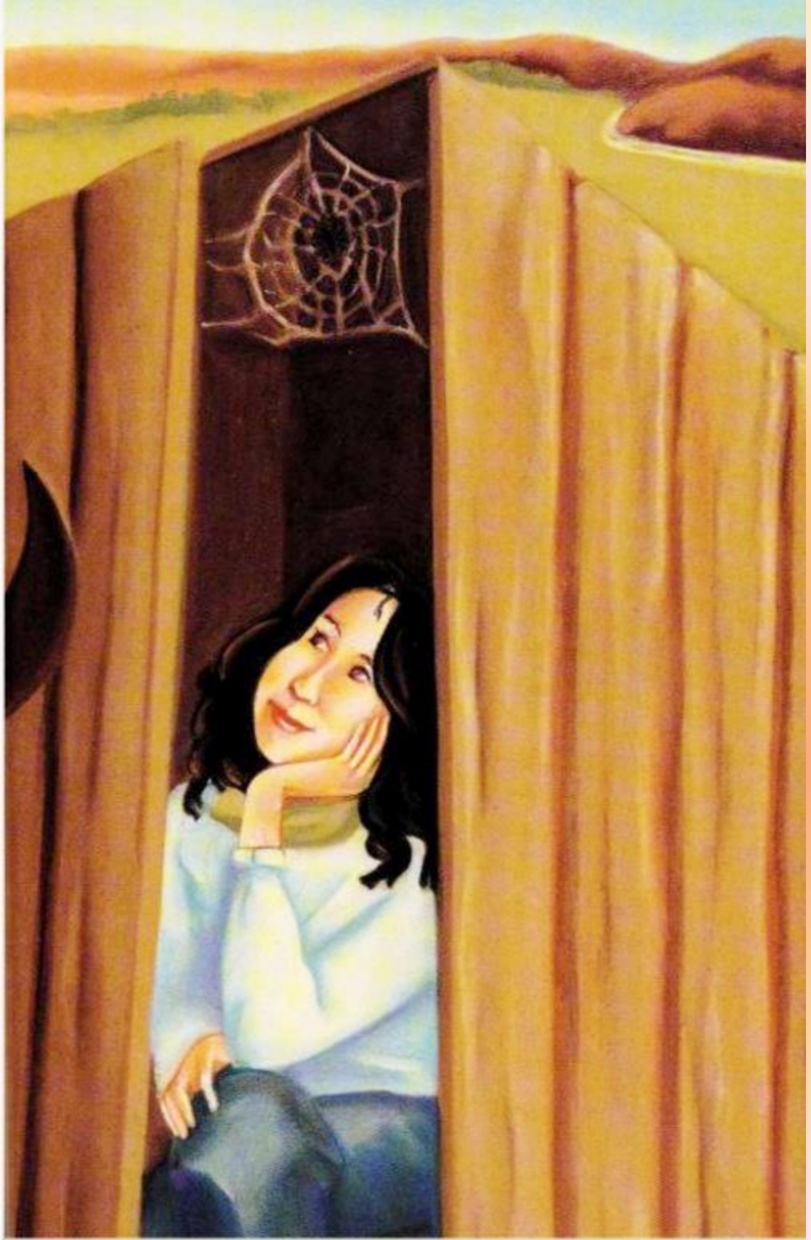

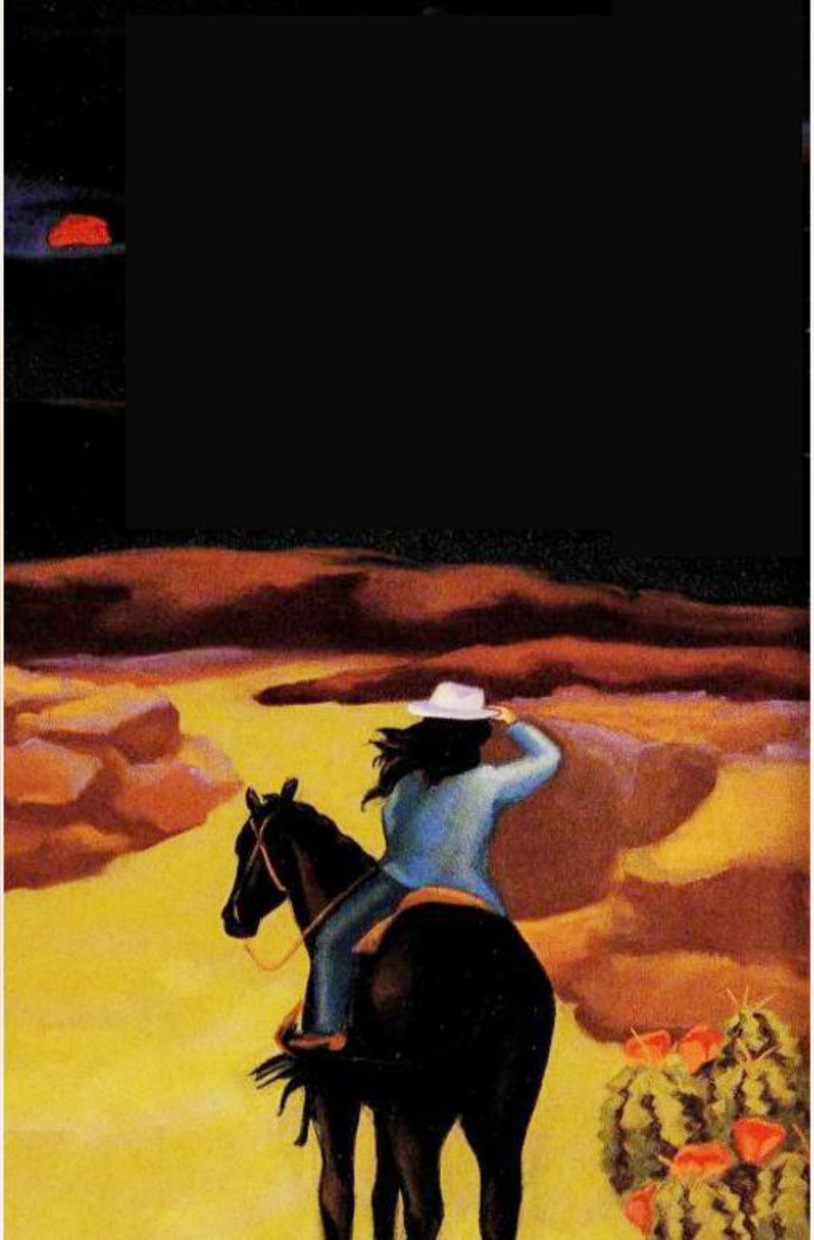

पूरा शहर उसे विदा करने के लिए उमड़ पड़ा.

मेयर ने कहा, "हमें तुम्हारी बहुत याद आएगी."

"अगर हमें कोई परेशानी हुई

तो हम तुरंत तुम्हें बुलायेंगे."

"ठीक है," कैलेमिटी जेन ने कहा,

"मुझे हमेशा मुश्किलें पसंद रही हैं."

फिर वह सूर्यास्त की ओर चल दी.